

UGC NET/JRF हिंदी • प्रश्नोत्तरी

आदिकाल

हिन्दी साहित्य • MCQ प्रश्नोत्तरी

700+ प्रश्नोत्तरी

सिद्ध साहित्य

नाथ साहित्य

जैन साहित्य

रासो • लौकिक साहित्य

NET स्तर के कठिन प्रश्न

उत्तर साथ में • व्याख्या सहित

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड., नेट (हिंदी) • कॉलेज व्याख्याता



store.hindisahity.com



इस PDF में क्या-क्या है? — विषय-सूची एवं पृष्ठ-सारणी

कुल 700 प्रश्न • 10 सेट • हर सेट के बाद उत्तर-सारणी, उत्तरमाला-व्याख्या और आपके नोट्स के पृष्ठ — देखिए कौन-सा टॉपिक किस पृष्ठ पर है।

सेट / टॉपिक (खण्ड)	प्रश्न	प्रश्न-पृष्ठ	उत्तर-व्याख्या पृष्ठ	नोट्स पृष्ठ
सेट-1 : भाषा-विज्ञान, हिन्दी भाषा और राजभाषा	100 प्रश्न	3-10	11-14	15-16
क. भाषा-विज्ञान : आधारभूत अवधारणाएँ	1-10	3		
ख. भाषा की उत्पत्ति और वर्गीकरण	11-22	3-4		
ग. भारोपीय परिवार	23-31	4-5		
घ. भारतीय आर्यभाषा : वैदिक से अपभ्रंश तक	32-49	5-6		
ङ. आधुनिक आर्यभाषाएँ : विद्वानों के वर्गीकरण	50-58	6-7		
च. हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ	59-69	7-8		
छ. हिन्दी का शब्द-भंडार और ध्वनि/अर्थ-परिवर्तन	70-76	8-9		
ज. हिन्दी ध्वनियाँ, वर्णमाला और देवनागरी	77-85	9		
झ. राजभाषा और संविधान	86-100	9-10		
सेट-2 : हिन्दी साहित्य का इतिहास-लेखन, काल-विभाजन एवं नामकरण	73 प्रश्न	17-22	23-25	26-27
क. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा	1-20	17-18		
ख. शुक्ल का काल-विभाजन	21-29	18-19		
ग. अन्य विद्वानों का काल-विभाजन	30-36	19-20		
घ. आदिकाल का नामकरण	37-48	20-21		
ङ. शुक्ल की 'वीरगाथा काल' की बारह रचनाएँ	49-60	21		
च. गणना-आधारित प्रश्न	61-73	21-22		
सेट-3 : सिद्ध एवं नाथ साहित्य	60 प्रश्न	28-32	33-35	36-37
क. सिद्ध साहित्य : सामान्य परिचय	1-14	28-29		
ख. प्रमुख सिद्ध कवि और उनकी पंक्तियाँ	15-23	29		
ग. चर्यापद और दोहाकोश	24-31	29-30		
घ. सिद्ध साहित्य की विशेषताएँ	32-38	30		
ङ. नाथ साहित्य : परिचय और साधना	39-48	30-31		
च. गोरखनाथ और नाथ-साहित्य की रचनाएँ	49-60	31-32		
सेट-4 : जैन साहित्य	56 प्रश्न	38-41	42-43	44-45
क. जैन साहित्य : सामान्य परिचय	1-10	38		
ख. अपभ्रंश के जैन महाकाव्य : स्वयंभू, पुष्पदंत,	11-23	38-39		
ग. हेमचंद्र तथा जैन दोहा-काव्य	24-33	39-40		
घ. जैन रास-परंपरा	34-46	40-41		
ङ. विशेषताएँ, मूल्यांकन और मिश्रित	47-56	41		
सेट-5 : रासो साहित्य	48 प्रश्न	46-49	50-51	52-53
क. 'रासो' शब्द और काव्य-परंपरा	1-8	46		
ख. पृथ्वीराज रासो	9-24	46-48		
ग. बीसलदेव रासो और संदेश रासक	25-33	48		
घ. आल्हखंड, खुमाण रासो तथा अन्य रासो-ग्रंथ	34-48	48-49		
सेट-6 : लौकिक साहित्य — खुसरो, विद्यापति और भाषा-परंपरा	60 प्रश्न	54-58	59-60	61-62
क. अमीर खुसरो	1-15	54-55		
ख. विद्यापति	16-30	55-56		
ग. ढोला-मारू रा दूहा, वसंत विलास तथा अन्य	31-44	56-57		
घ. आदिकाल की भाषा-परंपरा और प्रथम कवि	45-60	57-58		
सेट-7 : आलोचकों के कथन — शुक्ल एवं अन्य	53 प्रश्न	63-67	68-69	70-71
क. शुक्ल के कथन — सिद्ध, नाथ और भाषा	1-8	63		
ख. शुक्ल के कथन — रासो साहित्य	9-24	63-64		
ग. शुक्ल के कथन — खुसरो और विद्यापति;	25-37	64-65		
घ. अन्य आलोचकों के कथन — आदिकाल	38-53	65-67		
सेट-8 : कथन, पंक्ति-पहचान एवं कृति-कवि विवेचन	74 प्रश्न	72-77	78-80	81-82
क. पंक्ति पहचानिए — किसकी रचना?	1-14	72		
ख. नामकरण, कृति-कवि-काल और प्रवृत्तियाँ	15-52	72-75		
ग. कथन, तुलना और विवेचन	53-74	75-77		
सेट-9 : विद्वानों के मत, पंक्तियाँ और प्रसंग	76 प्रश्न	83-87	88-90	91-92
क. विद्वानों के मत — कौन क्या मानता है?	1-30	83-85		
ख. पंक्तियाँ, कथन और प्रसंग	31-57	85-86		
ग. सिद्ध, नाथ, जैन और रासो — तथ्य और विवेचन	58-76	86-87		
सेट-10 : पूर्ण मॉक टेस्ट — आदिकाल (सभी खंडों से मिश्रित)	100 प्रश्न	93-100	101-104	105-106

सेट-1 : भाषा-विज्ञान, हिन्दी भाषा और राजभाषा

प्रश्न 100

समय 75 मिनट

✓ सही उत्तर +1

आपका स्कोर : ____ / 100

क. भाषा-विज्ञान : आधारभूत अवधारणाएँ

1. आधुनिक सामान्य भाषाविज्ञान (संरचनावाद) का जनक किसे माना जाता है?

- (क) नोम चॉम्स्की
(ख) लियोनार्ड ब्लूमफील्ड
(ग) फर्डिनेंड द सस्यूर
(घ) फ्रांज बोप

2. 'जनन-रूपांतरण व्याकरण' (Generative-Transformational Grammar) के प्रवर्तक कौन हैं?

- (क) नोम चॉम्स्की
(ख) फर्डिनेंड द सस्यूर
(ग) लियोनार्ड ब्लूमफील्ड
(घ) जॉर्ज ग्रियर्सन

3. सुमेलित कीजिए — (भाषाविज्ञान की शाखा / अध्ययन-क्षेत्र)

सूची-I	सूची-II
A. स्वनिम-विज्ञान	1. शब्दों व पदों की रचना (रूपिम) का अध्ययन
B. रूप-विज्ञान	2. भाषा की ध्वनि-व्यवस्था का अध्ययन
C. वाक्य-विज्ञान	3. पदों के वाक्य में क्रम व संबंध का अध्ययन
D. अर्थ-विज्ञान	4. शब्दार्थ और उसके परिवर्तन का अध्ययन

- (क) A-2, B-1, C-3, D-4
(ख) A-2, B-4, C-3, D-1
(ग) A-2, B-3, C-1, D-4
(घ) A-3, B-1, C-2, D-4

4. स्वनिम और रूपिम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. स्वनिम भाषा की लघुतम अर्थभेदक ध्वनि-इकाई है।
II. रूपिम भाषा की लघुतम सार्थक इकाई है।
III. स्वन (phone) और स्वनिम (phoneme) में कोई अंतर नहीं होता।
IV. 'कल' और 'खल' में /क/ तथा /ख/ अलग-अलग स्वनिम हैं।
(क) केवल I, II और IV
(ख) केवल I और II
(ग) I, II, III और IV
(घ) केवल I और IV

5. संस्कृत व्याकरण के 'मुनित्रय' में निम्नलिखित में से कौन सम्मिलित नहीं है?

- (क) पाणिनि (ख) भर्तृहरि
(ग) कात्यायन (घ) पतंजलि

6. 'वाक्यपदीय' ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

- (क) कात्यायन (ख) यास्क
(ग) पतंजलि (घ) भर्तृहरि

7. छह वेदांगों में शब्दों की व्युत्पत्ति (निर्वचन) से संबंधित वेदांग कौन-सा है?

- (क) निरुक्त (ख) शिक्षा
(ग) कल्प (घ) छंद

8. पाणिनि की 'अष्टाध्यायी' पर 'महाभाष्य' नामक भाष्य किसने लिखा?

- (क) कात्यायन (ख) कैयट
(ग) पतंजलि (घ) भर्तृहरि

9. 'भाषा' शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत की किस धातु से मानी जाती है?

- (क) भा (चमकना) (ख) भू (होना)
(ग) वद् (कहना) (घ) भाष् (बोलना)

10. सस्यूर के अनुसार 'लांग' (Langue) का क्या तात्पर्य है?

- (क) व्यक्ति द्वारा किया गया वास्तविक उच्चारण
(ख) समाज की सामूहिक, अमूर्त भाषा-व्यवस्था
(ग) केवल लिखित भाषा
(घ) किसी क्षेत्र-विशेष की बोली

ख. भाषा की उत्पत्ति और वर्गीकरण

11. सुमेलित कीजिए — (भाषा-उत्पत्ति संबंधी सिद्धांत)

सूची-I	सूची-II
A. अनुकरणमूलक (अनुकरण-सिद्धांत)	1. Pooh-pooh
B. अनुरणनमूलक	2. Bow-wow
C. मनोभावाभिव्यंजक	3. Yo-he-ho
D. श्रम-परिहारमूलक	4. Ding-dong

- (क) A-2, B-1, C-4, D-3
(ख) A-2, B-3, C-1, D-4
(ग) A-2, B-4, C-1, D-3
(घ) A-2, B-4, C-3, D-1

12. भाषा-उत्पत्ति के 'यो-हे-हो' (श्रम-परिहार) सिद्धांत के प्रवर्तक कौन माने जाते हैं?

- (क) लुडविग नॉयरे (ख) फ्रांज बोप
(ग) जैकब ग्रिम (घ) सर विलियम जोन्स

13. भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का मुख्य आधार क्या है?

- (क) केवल लिपि की समानता तथा लेखन-परंपरा की एकरूपता
(ख) पास-पास के भौगोलिक क्षेत्र में बोली जाना
(ग) बोलने वालों की संख्या तथा राजनीतिक महत्त्व
(घ) एक मूल भाषा से उत्पत्ति तथा ध्वनि-शब्द-व्याकरण की ऐतिहासिक समानता

51. 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया' (भारतीय भाषा-सर्वेक्षण) के संयोजक/संपादक कौन थे?

- (क) जॉर्ज ग्रियर्सन
(ख) जॉन बीम्स
(ग) सुनीतिकुमार चटर्जी
(घ) आर. जी. भंडारकर

52. ग्रियर्सन के वर्गीकरण में 'मध्यवर्ती उपशाखा' में कौन-सी भाषा रखी गई है?

- (क) पश्चिमी हिन्दी (ख) बिहारी
(ग) पंजाबी (घ) पूर्वी हिन्दी

53. ग्रियर्सन के वर्गीकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. बिहारी भाषाएँ बाह्य उपशाखा में रखी गई हैं।
II. मराठी बाह्य उपशाखा (दक्षिणी समूह) में रखी गई है।
III. राजस्थानी मध्यवर्ती उपशाखा में रखी गई है।
IV. पंजाबी अन्तरंग उपशाखा में रखी गई है।

- (क) केवल I, II और IV
(ख) केवल I और II
(ग) I, II, III और IV
(घ) केवल I और IV

54. सुमेलित कीजिए — (चटर्जी का वर्गीकरण)

सूची-I	सूची-II
A. उदीच्य	1. पश्चिमी हिन्दी
B. प्रतीच्य	2. मराठी
C. मध्यदेशीय	3. सिंधी, लहंदा, पंजाबी
D. दक्षिणात्य	4. गुजराती

- (क) A-4, B-3, C-1, D-2
(ख) A-3, B-1, C-4, D-2
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2
(घ) A-2, B-4, C-1, D-3

55. सुमेलित कीजिए — (ग्रंथ / रचनाकार)

सूची-I	सूची-II
A. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास	1. धीरेन्द्र वर्मा
B. हिन्दी भाषा का इतिहास	2. सुनीतिकुमार चटर्जी
C. The Origin and Development of the Bengali Language	3. उदयनारायण तिवारी
D. भाषा-विज्ञान की भूमिका	4. देवेन्द्रनाथ शर्मा

- (क) A-3, B-4, C-2, D-1
(ख) A-4, B-1, C-2, D-3
(ग) A-3, B-1, C-4, D-2
(घ) A-3, B-1, C-2, D-4

56. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : हिन्दी की उपभाषाओं में पश्चिमी हिन्दी का विशेष महत्त्व माना जाता है।

कारण (R) : मानक हिन्दी का विकास पश्चिमी हिन्दी की खड़ीबोली के आधार पर हुआ है।

- (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

57. अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी का विकास परंपरागत रूप से किस अपभ्रंश से माना जाता है?

- (क) शौरसेनी अपभ्रंश
(ख) मागधी अपभ्रंश
(ग) अर्धमागधी अपभ्रंश
(घ) ब्राचड अपभ्रंश

58. हिन्दी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. हिन्दी भारोपीय परिवार की भारतीय आर्य शाखा की भाषा है।
II. हिन्दी का विकास संस्कृत से सीधे, बिना प्राकृत-अपभ्रंश के हुआ।
III. खड़ीबोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से माना जाता है।
IV. हिन्दी सतम वर्ग की भाषा है।

- (क) I, II, III और IV
(ख) केवल I, III और IV
(ग) केवल I और III
(घ) केवल I और IV

च. हिन्दी की उपभाषाएँ और बोलियाँ

59. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पूर्वी हिन्दी के अंतर्गत नहीं आती?

- (क) अवधी (ख) बघेली
(ग) भोजपुरी (घ) छत्तीसगढ़ी

60. बुंदेली हिन्दी की किस उपभाषा के अंतर्गत आती है?

- (क) पश्चिमी हिन्दी (ख) पूर्वी हिन्दी
(ग) राजस्थानी (घ) बिहारी

61. सुमेलित कीजिए — (बोली / उपभाषा)

सूची-I	सूची-II
A. कन्नौजी	1. पूर्वी हिन्दी
B. मारवाड़ी	2. बिहारी
C. मगही	3. पश्चिमी हिन्दी
D. छत्तीसगढ़ी	4. राजस्थानी

- (क) A-3, B-4, C-2, D-1
(ख) A-3, B-1, C-2, D-4
(ग) A-3, B-2, C-4, D-1
(घ) A-2, B-4, C-3, D-1

62. खड़ीबोली के लिए 'कौरवी' नाम का प्रयोग किसने किया?

- (क) जॉर्ज ग्रियर्सन
(ख) राहुल सांकृत्यायन
(ग) सुनीतिकुमार चटर्जी
(घ) धीरेन्द्र वर्मा

63. 'बांगरू' बोली का अन्य प्रचलित नाम कौन-सा है?

- (क) कौरवी (ख) हरियाणवी
(ग) दक्खिनी (घ) बघेली

64. सुमेलित कीजिए — (रचना / रचना-भाषा)

सूची-I	सूची-II
A. पद्मावत	1. राजस्थानी
B. सूरसागर	2. मैथिली
C. विद्यापति पदावली	3. अवधी
D. ढोला मारू रा दूहा	4. ब्रज

- (क) A-3, B-1, C-2, D-4
(ख) A-1, B-4, C-2, D-3
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2
(घ) A-3, B-4, C-2, D-1

65. अमीर खुसरो ने अपनी काव्य-भाषा के लिए किस नाम का प्रयोग किया?

- (क) हिंदवी (ख) रेख्ता
(ग) दक्खिनी (घ) उर्दू

66. 'उर्दू' शब्द की व्युत्पत्ति किस भाषा के शब्द से मानी जाती है?

- (क) अरबी 'उर्द' (भूमि/देश)
(ख) फारसी 'ज़ुबान' (वाणी/जिह्वा)
(ग) तुर्की 'ओर्दू' (शिविर / छावनी)
(घ) संस्कृत 'ऊर्ध्व' (ऊपर उठा हुआ)

67. अवधी-साहित्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

- I. तुलसीदास का 'रामचरितमानस' अवधी में है।
II. जायसी का 'पद्मावत' अवधी में है।
III. सूरदास का 'सूरसागर' अवधी में है।
IV. मंझन की 'मधुमालती' अवधी में है।

- (क) केवल I और II
(ख) केवल I, II और IV
(ग) I, II, III और IV
(घ) केवल I और IV

68. ग्रियर्सन के मत में पहाड़ी भाषाओं का स्रोत कौन-सी अपभ्रंश है?

- (क) नागर (ख) खस
(ग) ब्राह्म (घ) पैशाची

69. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी के अंतर्गत नहीं आती?

- (क) बांगरू (ख) कन्नौजी
(ग) मेवाती (घ) बुंदेली

छ. हिन्दी का शब्द-भंडार और ध्वनि/अर्थ-परिवर्तन

70. सुमेलित कीजिए — (तद्भव शब्द / तत्सम मूल)

सूची-I	सूची-II
A. साँप	1. श्वश्रू
B. ऊँट	2. मौक्तिक
C. सास	3. उष्ट्र
D. मोती	4. सर्प

- (क) A-4, B-1, C-3, D-2
(ख) A-4, B-2, C-1, D-3
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2
(घ) A-4, B-3, C-2, D-1

71. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द देशज माना जाता है?

- (क) पगड़ी (ख) पत्ता
(ग) दूध (घ) कान

72. सुमेलित कीजिए — (शब्द / मूल भाषा)

सूची-I	सूची-II
A. कैची	1. अरबी
B. बाल्टी	2. फारसी
C. कानून	3. तुर्की
D. दुकान	4. पुर्तगाली

- (क) A-3, B-4, C-1, D-2
(ख) A-3, B-2, C-1, D-4
(ग) A-3, B-1, C-4, D-2
(घ) A-1, B-4, C-3, D-2

73. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अरबी मूल का नहीं है?

- (क) कलम (ख) दरवाज़ा
(ग) किताब (घ) कानून

74. सुमेलित कीजिए — (उदाहरण / ध्वनि-परिवर्तन)

सूची-I	सूची-II
A. स्टेशन > इस्टेशन	1. स्वरभक्ति
B. कर्म > करम	2. आगम
C. अग्नि > अग्नि	3. समीकरण

- (क) A-1, B-2, C-3 (ख) A-3, B-1, C-2
(ग) A-2, B-1, C-3 (घ) A-2, B-3, C-1

75. सुमेलित कीजिए — (शब्द / अर्थ-परिवर्तन)

सूची-I	सूची-II
A. तेल (तिल का तेल > सब तेल)	1. अर्थ-संकोच
B. मृग (पशु-मात्र > हिरण)	2. अर्थापकर्ष (अवनति)
C. असुर (शक्तिशाली देव-विशेषण > दैत्य)	3. अर्थ-विस्तार

- (क) A-3, B-2, C-1 (ख) A-1, B-3, C-2
(ग) A-2, B-1, C-3 (घ) A-3, B-1, C-2

50. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : पुष्पदंत को 'अपभ्रंश का भवभूति' कहा जाता है।
कारण (R) : पुष्पदंत ने 'पउमचरित' में रामकथा लिखी।

- (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

51. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : 'बीसलदेव रासो' के चार खंड हैं।
कारण (R) : इसके दूसरे खंड में बीसलदेव के उड़ीसा जाने और एक वर्ष वहाँ रहने का वर्णन है।

- (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

52. हिंदी साहित्य के इतिहास-ग्रंथों और उनके लेखकों का कौन-सा युग्म गलत है?

- (क) कविता कौमुदी — रामनरेश त्रिपाठी
(ख) भाषा काव्य-संग्रह — महेशदत्त शुक्ल
(ग) हिंदी साहित्य की भूमिका — रामचंद्र शुक्ल
(घ) हिंदी काव्यधारा — राहुल सांकृत्यायन

53. अब्दुर्रहमान की 'सन्देश रासक' की भाषा क्या है और मंझन-कुतुबन की भाषा क्या है?

- (क) अवहट्ट; अवधी
(ख) अवधी; अवहट्ट
(ग) डिंगल; पिंगल
(घ) अवहट्ट; खड़ी बोली

54. आदिकाल में वीर रस की रचनाओं में किस शैली का प्रयोग हुआ और पिंगल किन भाषाओं का मिश्रण है?

- (क) पिंगल; पिंगल = अपभ्रंश + राजस्थानी
(ख) डिंगल; पिंगल = अपभ्रंश + खड़ी बोली
(ग) डिंगल; पिंगल = अपभ्रंश + ब्रजभाषा
(घ) पिंगल; पिंगल = अपभ्रंश + मैथिली

55. 'प्राकृत पिंगलम्' के संबंध में कौन-सा कथन सही है?

- (क) सिद्धों के चर्यापदों का संग्रह; सरहपा, कणहपा की रचनाएँ मिलती हैं
(ख) चंदबरदाई की रचनाओं का संग्रह; पृथ्वीराज रासो के छंद संकलित हैं
(ग) जैन रास-काव्य का संग्रह; शालिभद्र, आसगु की रचनाएँ मिलती हैं
(घ) प्राकृत-अपभ्रंश छंदों का संग्रह; विद्याधर, शारंगधर, जज्जल, बब्बर की रचनाएँ मिलती हैं

56. 'बौद्ध गान ओ दोहा' और 'दोहाकोश' के संपादक क्रमशः कौन हैं?

- (क) प्रबोधचंद्र बागची; हरप्रसाद शास्त्री
(ख) हरप्रसाद शास्त्री; प्रबोधचंद्र बागची
(ग) राहुल सांकृत्यायन; हरप्रसाद शास्त्री
(घ) हरप्रसाद शास्त्री; पीतांबरदत्त बड़थवाल

57. अपभ्रंश शब्द का सबसे पहले उल्लेख किस आचार्य द्वारा माना जाता है?

- (क) पाणिनि
(ख) पतंजलि (महाभाष्य)
(ग) भरतमुनि
(घ) भामह

58. 'हिन्दी साहित्य का आरंभ आठवीं शताब्दी से' मानने वाले विद्वानों में कौन नहीं है?

- (क) राहुल सांकृत्यायन
(ख) गुलेरी
(ग) मिश्रबंधु
(घ) रामचंद्र शुक्ल

59. सरहपा से संबंधित कौन-से नाम सही हैं?

- (क) सरहपाद, विरूपाक्ष, राहुलभद्र
(ख) सरोजवज्र, लूहिपाद, राहुलभद्र
(ग) सरहपाद, सरोजवज्र, राहुलभद्र
(घ) सरहपाद, सरोजवज्र, शबरपाद

60. सहजयान और वज्रयान की भावनाओं में 'युगनद्ध' तथा 'महामुद्रा' संबंधित हैं —

- (क) वज्रयान से (ख) जैन परंपरा से
(ग) नाथ परंपरा से (घ) सूफी परंपरा से

61. ऊपर के सिद्ध-साहित्य संबंधी कथनों में कितने सही हैं?

- I. I. 'काआ तरुवर पंच बिडाल' — लुङ्पा
II. II. 'गंगा जउना माझरे' — डोम्बिपा
III. III. सहजयान प्रवर्तक — सरहपा
IV. IV. संथा भाषा — मुनिदत्त/अद्वयवज्र द्वारा नामित
(क) केवल एक (ख) केवल दो
(ग) केवल तीन (घ) सभी चार

62. कीर्तिलता के संबंध में कौन-सा कथन सही है?

- (क) यह अवहट्ट में रचित है, भृंग-भृंगी संवाद के रूप में है और विद्यापति ने इसे 'कहाणी' कहा
(ख) यह मैथिली में रचित है, शुक-शुकी संवाद के रूप में है और इसे 'पदावली' कहा गया
(ग) यह संस्कृत में रचित है, भृंग-भृंगी संवाद के रूप में है और इसे 'रासो' कहा गया
(घ) यह अवहट्ट में रचित है, शुक-शुकी संवाद के रूप में है और इसे 'काव्य' कहा गया

सेट-1 : उत्तर-सारणी

1 - ग	2 - क	3 - क	4 - क	5 - ख	6 - घ	7 - क	8 - ग	9 - घ	10 - ख
11 - ग	12 - क	13 - घ	14 - ख	15 - ग	16 - क	17 - क	18 - ग	19 - घ	20 - ख
21 - घ	22 - क	23 - ग	24 - क	25 - घ	26 - ख	27 - ख	28 - ग	29 - क	30 - ग
31 - घ	32 - ग	33 - क	34 - क	35 - ख	36 - ख	37 - घ	38 - क	39 - ख	40 - ग
41 - ख	42 - ग	43 - क	44 - ख	45 - ग	46 - ख	47 - घ	48 - ग	49 - क	50 - ग
51 - क	52 - घ	53 - क	54 - ग	55 - घ	56 - क	57 - ग	58 - ख	59 - ग	60 - क
61 - क	62 - ख	63 - ख	64 - घ	65 - क	66 - ग	67 - ख	68 - ख	69 - ग	70 - ग
71 - क	72 - क	73 - ख	74 - ग	75 - घ	76 - क	77 - ग	78 - क	79 - घ	80 - ख
81 - ग	82 - घ	83 - क	84 - ग	85 - घ	86 - ग	87 - क	88 - क	89 - ख	90 - ख
91 - ग	92 - क	93 - ग	94 - घ	95 - ग	96 - क	97 - घ	98 - क	99 - ग	100 - ख

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. भाषा-विज्ञान : आधारभूत अवधारणाएँ

1. (ग) फर्डिनेंड द सस्यूर

सस्यूर (स्विस) की पुस्तक *Course in General Linguistics* (1916) उनके शिष्यों ने संकलित की। एककालिक/द्विकालिक तथा लांग/पैरोल की धारणाएँ यहीं से आई।

2. (क) नोम चॉम्स्की

चॉम्स्की की *Syntactic Structures* (1957) से भाषा-अध्ययन में मानसिकतावादी मोड़ आया। संरचनावाद सस्यूर और ब्लूमफील्ड की परंपरा है।

3. (क) A-2, B-1, C-3, D-4

स्वनिम-विज्ञान (Phonology) → ध्वनि-व्यवस्था; रूप-विज्ञान (Morphology) → पद-रचना; वाक्य-विज्ञान (Syntax) → पद-क्रम; अर्थ-विज्ञान (Semantics) → अर्थ।

4. (क) केवल I, II और IV

स्वन वास्तविक उच्चरित ध्वनि है, जबकि स्वनिम ध्वनियों का अमूर्त वर्ग है — इसलिए कथन III गलत है। 'कल-खल' अर्थभेद का न्यूनतम युग्म है।

5. (ख) भर्तृहरि

मुनित्रय = पाणिनि (अष्टाध्यायी), कात्यायन (वार्तिक), पतंजलि (महाभाष्य)। भर्तृहरि 'वाक्यपदीय' के रचयिता हैं।

6. (घ) भर्तृहरि

भर्तृहरि का *वाक्यपदीय* भाषा-दर्शन का ग्रंथ है, जिसमें स्फोट-सिद्धांत की चर्चा है। यास्क का ग्रंथ 'निरुक्त' है।

7. (क) निरुक्त

निरुक्त (यास्क) वैदिक शब्दों का निर्वचन करता है। 'शिक्षा' वेदांग उच्चारण/ध्वनि-विज्ञान से संबंधित है।

8. (ग) पतंजलि

पतंजलि का महाभाष्य पाणिनि-सूत्रों और कात्यायन के वार्तिकों की व्याख्या करता है। कैयट ने महाभाष्य पर 'प्रदीप' टीका लिखी।

9. (घ) भाष् (बोलना)

'भाष्' (बोलना, कहना) धातु से भाषा शब्द बना है। 'भा' धातु का अर्थ चमकना है — उससे 'भासा' का भ्रम न करें।

10. (ख) समाज की सामूहिक, अमूर्त भाषा-व्यवस्था

लांग = समाज-स्वीकृत भाषा-व्यवस्था; पैरोल (Parole) = व्यक्ति का वास्तविक भाषा-प्रयोग। दोनों सस्यूर की प्रसिद्ध द्विधात्मक अवधारणाएँ हैं।

ख. भाषा की उत्पत्ति और वर्गीकरण

11. (ग) A-2, B-4, C-1, D-3

पशु-पक्षियों की ध्वनि का अनुकरण = Bow-wow; वस्तुओं की ध्वनि/रणन = Ding-dong; आवेग-उद्गार = Pooh-pooh; श्रम के समय की ध्वनि = Yo-he-ho!

12. (क) लुडविग नॉयरे

श्रम करते समय निकलने वाली सामूहिक ध्वनियों से भाषा का विकास नॉयरे (Noiré) का मत है।

13. (घ) एक मूल भाषा से उत्पत्ति तथा ध्वनि-शब्द-व्याकरण की ऐतिहासिक समानता

पारिवारिक वर्गीकरण ऐतिहासिक संबंध पर टिका है। लिपि या भौगोलिक निकटता से परिवार तय नहीं होता (जैसे उर्दू-हिन्दी की लिपियाँ भिन्न हैं, परिवार एक)।

14. (ख) पद और वाक्य की रचना-शैली की समानता

आकृतिमूलक वर्गीकरण में रचना (आकृति) देखी जाती है — चाहे भाषाएँ किसी एक परिवार की हों या नहीं।

15. (ग) A-1, B-4, C-2, D-3

चीनी — अयोगात्मक; तुर्की — अश्लिष्ट योगात्मक; संस्कृत (लैटिन, ग्रीक) — श्लिष्ट योगात्मक; एस्किमो — प्रश्लिष्ट योगात्मक।

16. (क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है

विभक्ति-प्रत्ययों के घिसकर लुप्त होने पर संबंध-बोध के लिए स्वतंत्र परसर्ग आए; इसी कारण A का सही कारण R है।

यह केवल नमूना (Sample) है

पूरी PDF में आपको मिलेगा —

- 📖 **आदिकाल — 700 MCQ**, 10 टॉपिक-वार सेट
- 📝 भाषा-विज्ञान, इतिहास-लेखन व काल-विभाजन, सिद्ध-नाथ, जैन, रासो और लौकिक साहित्य
- 🧠 खुसरो, विद्यापति; आलोचकों के कथन और पंक्ति-पहचान
- 🕒 **पूर्ण मॉक टेस्ट — 100 प्रश्न**
- 🎯 कथन, सत्य/असत्य, अभिकथन-कारण, मिलान, कालक्रम — **UGC NET/JRF स्तर** के प्रश्न
- ✅ हर सेट के बाद **उत्तर-सारणी + उत्तरमाला-व्याख्या**
- 📝 हर सेट के बाद अपने **नोट्स लिखने के पृष्ठ**
- 📄 कुल **107 पृष्ठ** • क्लिक करने योग्य विषय-सूची

केवल ₹99

🛒 **पूरी PDF अभी खरीदें — store.hindisahity.com**

➡️ **कोई प्रश्न? WhatsApp करें: 9680260474**

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC — सभी हिंदी साहित्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी